नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 322 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, गुरुवार 29 सितंबर 2022

पेज -3 पर

थाना प्रभारी प्रमोद सिंह पर कार्यवाही हेतु खैरी के ग्रमीणों ने दिया आवेदन

मां दुर्गा के हर रूप शक्ति और आस्था का प्रतीक-योगेश तिवारी

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

मुख्यमंत्री ईडी और आयकर विभाग को निशाने पर लते हुए कहा

केंद्रीय एजेंसियां धमकी न दें, शिकायत मिली तो कार्रवाई होगी

रायपुर. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को केंद्रीय एजेंसियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा ईडी-आईटी, जो गलत हैं उनके खिलाफ कार्रवाई करें। पर छत्तीसगढ़ के लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। उन्होंने कहा, प्रदेश में जिन लोगों को ईडी-आईटी और डीआरआई वाले बुला रहे हैं उन्हें धमकी-चमकी और प्रताड़ित करने का काम कर रहे हैं। ये उचित नहीं है।

उन्होंने कहा, केंद्रीय एजेंसियों को चेतावनी दी कि यदि छत्तीसगढ़ सरकार को शिकायत मिली तो इन एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्रीय एजेंसियां आएं उनका स्वागत है। उन्हें बनाया ही इसलिए गया है कि कहीं गलत हो रहा हो तो उस पर कार्रवाई करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जो अधिकारी आएं वे यहां के लोगों को धमकाए-चमकाए। वे व्यापार कर रहे हैं, उद्योग चला रहे हैं तो यह अपराध नहीं है। उनसे अपराधियों जैसा व्यवहार करना बिल्कुल गलत बात है।

ने मंच पर ही कहा कि केंद्रीय एजेंसियां उनको बेवजह परेशान कर रही हैं। कभी भी उन्हें बुलाकर डराया जाता है। बाद में उन्होंने अपने भाषण में कहा, केंद्र सरकार अपनी एजेंसियों के माध्यम से डर का माहौल बना रही है। अगर केंद्रीय एजेंसियां किसी को बेवजह परेशान करती हैं और किसी व्यापारी ने इसकी शिकायत थाने में कर दी तो पुलिस एक्शन लेगी।

भिलाई में व्यापारियों ने सीएम से की थी शिकायत

मुख्यमंत्री सोमवार को भिलाई के सेक्टर-6 स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित अग्रसेन महाराज के जयंती समारोह में शामिल हुए थे। यहां समाज के कुछ व्यापारियों

ईडी रिमोट से संचालित हो रही

मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्रीय एजेंसियां अपने उद्देश्य से भटक चुकी हैं। उनके अफसरों ने देश के संविधान की जो शपथ ली है उसका पालन तो वे कर ही नहीं रहे हैं। हमने कहा कि चिटफंड कंपनियों ने प्रदेश में छह-साढ़े हजार करोड़ रुपए लूटे हैं। कहीं न कहीं उसमें मनीलांड्रिंग हुई है। उसमें क्यों नहीं कार्रवाई कर रहे हैं। यहां तो लोगों का पैसा गया है। आप उसमें कार्रवाई नहीं करोगे, जो ब्रांड एंबेसडर बाहर घूम रहे हैं उनसे पूछताछ भी नहीं करोगे। आप की कार्यशैली ऐसी है कि किसी के रिमोट से आप चल रहे हैं। यह प्रजातंत्र के लिए कतई उचित नहीं है।

मांगे पूरी नहीं करेंगे, दूसरी भर्ती कर लेंगे

रसोइया संघ से बोले मंत्री कवासी लखमा, कर्मचारी गिड़गिड़ाते रहे, लखमा गाड़ी में बैठकर निकल गए

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के आबकारी मंत्री कवासी लखमा का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मध्यान्ह भोजन रसोइया संघ अपनी मांग को पूरा करवाने लखमा के पास गुहार लगाते दिख रहे हैं। जिन्हें लखमा ने साफ कह दिया कि मांग पूरी नहीं होगी, हड़ताल करो। हम नई भर्ती करेंगे। करीब 40 सेकेंड के इस वीडियो के वायरल होने के बाद अब भाजपा ने भी इसे मुद्दा बना लिया है।

दरअसल, यह वीडियो बस्तर संभाग के किसी जिले का बताया जा रहा है। जहां मानदेय बढ़ाने की मांग को

लेकर रसोईया संघ आबकारी मंत्री के पास पहुंचे हुए थे। संघ के सदस्यों ने मंत्री को आवेदन दिया। जिस पर लखमा ने उनसे पहले पूछा हड़ताल तो खत्म हो गई है न? तो संघ के सदस्यों ने कहा कर रहे हैं। जिसके बाद कवासी लखमा ने थोड़ी नाराजगी दिखाई और उन्होंने कह दिया कि मांग पूरी नहीं करेंगे। दूसरी भर्ती करेंगे। ऐसा कहकर वे अपनी गाड़ी में बैठकर चले गए। संघ के सदस्य लखमा के सामने हाथ जोड़कर खड़े रहे। मांग पूरी करने गिड़गिड़ाते रहे।

वीडियो वायरल होने के बाद पूर्व मंत्री और भाजपा प्रदेश संगठन के प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी अपने सत्ता के नशे में चूर है।

एक नजर

शिक्षा विभाग ने छुट्टियों का किया ऐलान

रायपुर । स्कूल शिक्षा विभाग ने दीपावली और दशहरे के लिए छुट्टियां जारी कर दी है। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक इस बार दशहरे में 5 दिन और दीपावली में 6 दिन की छुट्टियां मिलेगी। बताया जा रहा है कि 3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर प्रदेश के सभी स्कूलों में दशहरे की छुट्टी रहेगी। वहीं दीपावली के मौके पर 21 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक 6 दिनों का अवकाश रहेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने छुट्टियों की तारीख जारी कर दी है। वहीं 23 दिसंबर से 28 दिसंबर 6 दिन शीतकालीन अवकाश का भी ऐलान कर दिया है। इस बार छात्रों को 45 दिनों के लिए ग्रीष्मकालीन मिलेगा। 1 मई से 16 जून तक प्रदेश के सभी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा।दशहरे में 5 दिन की छुट्टी ङ्क प्रदेश के सभी स्कूलों में दशहरे की छुट्टी 3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक रहेगी।

पीएफआई पर 5 साल का बैन

टेरर लिंक के आरोप में ऑल इंडिया इमाम काउंसिल समेत 8 और संगठनों पर भी एक्शन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया को बैन कर दिया है। PFI को प्रतिबंधित करने की मांग कई राज्यों ने की थी. हाल ही में NIA और तमाम राज्यों की पुलिस और एजेंसियों ने पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी कर सैकड़ों गिरफ्तारियां की थीं. गृह मंत्रालय ने पीएफआई को 5 साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित किया. पीएफआई के अलावा 8 सहयोगी संगठनों पर भी कार्रवाई की गई है.

PFI के अलावा रिहैब इंडिया फाउंडेशन, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (CFI), ऑल इंडिया इमाम काउंसिल (AIIC), नेशनल कॉन्फेडेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन (NCHRO), नेशनल वीमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन, केरल जैसे सहयोगी संगठनों पर भी बैन लगाया गया है। 22 सितंबर और 27 सितंबर को NIA, ED और राज्यों की पुलिस ने PFI पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी. पहले राउंड की छापेमारी में 106 PFI से जुड़े लोग गिरफ्तार हुए थे. दूसरे राउंड की छापेमारी में 247 PFI से जुड़े लोग गिरफ्तार/हिरासत में लिए गए. जांच एजेंसियों को खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले. इसके बाद जांच एजेंसियों ने गृह मंत्रालय से कार्रवाई की मांग की थी. जांच एजेंसियों की सिफारिश पर गृह मंत्रालय ने PFI पर बैन लगाने का फैसला किया है।

इन मामलों में PFI की भूमिका की जांच कर रही NIA

नागरिकता कानून को लेकर उत्तर प्रदेश में हिंसा हुई जिसमें PFI से जुड़े आरोपियों के यहां से आपत्तिजनक सामग्रियां, साहित्य ससीडी मिले थे जिसको आधार बनाकर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया नामक संगठन को बैन करने का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार ने भेजा था।

15 राज्यों में एक्टिव है PFI

पीएफआई अभी दिल्ली, आंध्र,प्रदेश, असम, बिहार, केरल, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, मध्य प्रदेश में एक्टिव है।

नीतीश को दिल्ली भेजेंगे और तेजस्वी संभालेंगे बिहार

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने आज पार्टी अध्यक्ष चुनाव के लिए नामांकन भरा है. वहीं नामांकन भरने के बाद उन्होंने कहा कि बीजेपी को उखाड़ फेंकना है, सभी विपक्षी दलों को साथ लाना है. उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि तेजस्वी यादव बिहार को संभालें, नीतीश को दिल्ली भेजेंगे. वहीं सोनिया गांधी से हुई मुलाकात पर लालू यादव

ने कहा, हम सोनिया गांधी से मिलने गए थे. फोटो खिंचवाने नहीं. उनसे अच्छी बातचीत हुई, उनका संगठन चुनाव होने के बाद फिर उनसे मिलेंगे.बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी।

जेनेरिक दवाओं से नागरिकों को 44 करोड़ से ज्यादा की हुई बचत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक दवाएं सस्ती दर पर उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए राज्य के सभी नगरीय निकायों में श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना के तहत जेनेरिक दवाओं की दुकानों का संचालन किया जा रहा है।

इन दुकानों में देश की ख्याति प्राप्त कंपनियों की जेनेरिक दवाईयों पर 50 से 70 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। धनवन्तरी दवा दुकानों में सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर, इन्सुलिन के साथ गंभीर बीमारियों की दवा, एंटीबायोटिक, सर्जिकल आईटम भी रियायती मूल्य पर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना 20 अक्टूबर 2021 से शुरू की गई है। योजना के तहत राज्य के समस्त 169 नगरीय निकायों में 190 श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर खोले गये हैं। नगरीय निकायों में करीब 194 दुकानों का चिन्हांकन किया। शासकीय चिकित्सकों को अस्पताल में इलाज हेतु आने वाले मरीजों को जेनेरिक दवाई लिखना अनिवार्य किया गया है। योजना से अब तक 72 करोड़ रूपए एम.आर.पी. की दवाईयों के विक्रय पर 44 करोड़ रूपए की छूट जरूरतमंद लोगों को दी गई है। जिससे लोगों को काफी राहत मिली है और कम मूल्य पर दवा उपलब्ध होने से बचत हो रही है।

जयंती... कोविड टीकाकरण में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित हुए स्वास्थ्य योद्धा

गांधी जयंती से प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में सिकल सेल प्रबंधन केंद्र की होगी शुरुआत

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि राज्य में सिकलसेल की जांच एवं उपचार की सुविधा सभी जिला अस्पतालों में आगामी 02 अक्टूबर से शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि आगामी माह से लोगों को सस्ते दर पर पैथोलॉजी लैब की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी हमर लैब के आस-पास के क्षेत्रों से सैंपल एकत्र किए जाएंगे जिससे लोगों को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में पैथोलॉजी की सुविधा मिल सके।

श्री सिंहदेव आज यहां स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने बैठक में स्वास्थ्य अधिकारियों से सिकलसेल प्रबंधन केंद्रों के संबंध में की जा रही आवश्यक तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना, वेलनेस सेंटर, बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को बैठक में सभी अस्पतालों में आने वाले अधिक से अधिक मरीजों को उपचार एवं परामर्श सुविधा उपलब्ध कराने कहा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर., स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक श्री भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक श्री भोसकर विलास संदीपन, संचालक महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा तथा सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन भी मौजूद थे।

स्वास्थ्य योद्धा हुए सम्मानित

स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक में कोविड वैक्सीनेशन में उल्लेखनीय योगदान के लिए बीजापुर जिले के उसूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तीन स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती ज्योति सिदार, श्रीमती नागमणी चिलमुल और श्री रमेश गड्डम को प्रशस्ति पत्र एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया। इन तीनों स्वास्थ्य योद्धाओं ने कोविड वैक्सीनेशन के लिए घुटने तक पानी से भरे तीन नदियों को पैदल पार कर ग्राम मारूड़बाका पहुंच लोगों का वैक्सीनेशन किया था।

ओलंपिक संघ से होरा का इस्तीफा

ऑडियो टेप में आपत्तिजनक बातें आई थी, सफाई देने की कोशिश भी कर चुके गुरुचरण सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले सप्ताह एक विवादित ऑडियो टेप में उनका नाम उछला था। इसमें कथित रूप से मुख्यमंत्री के नाम से कुछ आपत्तिजनक बातें थीं।

तभी से कहा जा रहा था कि होरा की ओलंपिक संघ से छुट्टी हो जाएगी। बताया जा रहा है, कारोबारी गुरुचरण सिंह होरा ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर महासचिव पद से इस्तीफा दिया

है। बताया जा रहा है कि ताजा विवाद प्रदेश के केबल टीवी कारोबार पर एकाधिकार को लेकर है। पिछले सप्ताह एक ऑडियो टेप वायरल हुआ। उसमें कई मौकों पर बातचीत की रिकॉर्डिंग है। इसमें कथित रूप से होरा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए करते दिख रहे हैं। इसमें दावा किया गया है, अफसर उनको पल-पल की रिपोर्ट देते हैं, एसएसपी-कलेक्टर से कौन, क्या बात कर रहा है यह सब जानकारी उनके पास पहुंचती है। वे नेताओं के भरोसे नहीं अफसरों के भरोसे यह सब कर रहे हैं। दावा भी किया जा रहा है कि, विधान सभा में बैठकर 11 केबल कारोबारियों के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज कराया था।

राजस्थान की राजनीतिक उठापटक में गांधी परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर

मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपके रहने का मोह अशोक गहलोत छोड़ नहीं पा रहे हैं। कुर्सी का मोह छूटे भी तो उस पर घोर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट ना बैठें, इसके लिए सभी अस्त्र-शस्त्र निकालकर 45 वर्षों की वफादारी को भुलाकर वो खुलकर सामने आ गए हैं। कुल मिलाकर अब तक गांधी परिवार का सच्चा सिपहसालार कहे जाने वाले अशोक गहलोत का जो चेहरा सामने आया है, उसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है, क्योंकि कुछ महीने पहले जब पंजाब में ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हुई थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने वालों में अशोक गहलोत सबसे आगे थे। उस समय गांधी परिवार के प्रतिनिष्ठा की बात थी। अब जब खुद की कुर्सी पर बात बन आई है तो सारी निष्ठा तार-तार हो गई है।

पिछले रविवार को जो प्रकरण हुआ, उसने गांधी परिवार के आलाकमान की छवि को भी धूमिल कर दिया है, यानी अब साफ है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी पर परिवार की वह पकड़ नहीं रह गई, जो पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी या राजीव गांधी के समय में हुआ करती थी।

अब तो अशोक गहलोत के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन की बात भी खटाई में पड़ गई है। संशय है कि अब संभवत: वह राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन भी ना करें। तर्क वही, बहुमत में विधायक नहीं चाहते कि अशोक गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ें और यदि छोड़ें तो राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद छोड़ें। मानेसर प्रकरण के समय सरकार बचाने वाले 102 विधायकों में से किसी को मुख्यमंत्री बनाया जाए।

राजस्थान में सियासत की करवट

अशोक गहलोत के लिए अब जब बात राष्ट्रीय अध्यक्ष का नामांकन ना भरने पर आ गई है तो फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तो बने ही रहेंगे। इधर-उधर के जो नाम चल रहे थे, वह अब करीब-करीब शांत होते दिख रहे हैं। अब तो यही है कि पहले कैसे राजस्थान को संभाला जाए? इस पूरे घटनाक्रम ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की हवा निकाल दी है। अब भारत जोड़ने से ज्यादा कांग्रेस जोड़ने पर फोकस हो गया है।

गहलोत और पायलट के बीच आपसी विग्रह नई नहीं है। वर्ष 2018 की सर्दियों में जब कांग्रेस पार्टी साधारण बहुमत से राजस्थान की सत्ता में लौटी थी, तब पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की बात थी, क्योंकि उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था। उस समय अशोक

सियासी संकट

गहलोत और पायलट के बीच आपसी विग्रह नई नहीं है। वर्ष 2018 की सर्दियों में जब कांग्रेस पार्टी साधारण बहुमत से राजस्थान की सत्ता में लौटी थी, तब पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की बात थी, क्योंकि उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था। उस समय अशोक गहलोत ने सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी को अपने पक्ष में कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कब्जा कर लिया था।

गहलोत ने सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी को अपने पक्ष में कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कब्जा कर लिया था, जबकि राहुल गांधी को सचिन पायलट के पक्ष में बताया जा रहा था।

तब भी एक प्रकरण ऐसा हुआ था, जिसने गहलोत और पायलट के बीच दूरियों को बढ़ाया था। उस समय दिल्ली से जयपुर लौट रहे अशोक गहलोत को एयरपोर्ट से वापस पार्टी नेतृत्व के पास लौटना पड़ गया था। मानेसर प्रकरण के समय तो अशोक गहलोत की कुर्सी जाते-जाते बची थी। उस दौरान उन्होंने सचिन पायलट को नाकारा-निकम्मा तक कह डाला था। पायलट को प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री पद से निष्कासित कर अपने विश्वसनीय नेताओं को बैठा दिया था।

सीएम की कुर्सी फिलहाल पायलट की पहुंच से दूर

एक सवाल जो राजनीतिक हलकों में पिछले चार-पांच दिनों से घूम रहा है, वह यह है कि क्या कारण है, जो गहलोत कैंप इतना आक्रमक हो गया? दरअसल, जिस दिन अशोक गहलोत को सोनिया गांधी ने दिल्ली बुलाया था और राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए कहा था, उसी के आसपास सचिन पायलट ने भी दिल्ली में आलाकमान से मुलाकात की थी।

यदि उसी दिन अशोक गहलोत से इस्तीफा ले लिया जाता और सचिन पायलट के नाम का ऐलान कर दिया जाता तो यह किस्सा वहीं खत्म हो जाता, लेकिन गहलोत कैंप को पूरा स्पेस दिया गया। साथ ही, पायलट गुट ने भी अतिउत्साह में सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर बढ़-चढ़कर सचिन के लिए प्रचार शुरू कर दिया। सचिन पायलट ने भी ऐसा व्यवहार किया, जिससे साफ झलक रहा था कि उन्हें आलाकमान ने हरी झंडी दे दी है और अब वही अगले मुख्यमंत्री होंगे। साथ ही, एकाएक जयपुर में विधायक दल की बैठक बुला ली गई। राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे को पर्यवेक्षक बनाकर भेज दिया गया। सारा खेल यहीं से शुरू हुआ। अशोक गहलोत को लगा कि उनके साथ कोई खेल हो रहा है, उन्हें फंसाया जा रहा है।

गहलोत गुट के शांति धारीवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, संयम लोढ़ा, सुभाष गर्ग समेत कई नेता मुखर हो गए। राजनीति के जादूगर अशोक गहलोत ने अपनी चाल चल दी। रविवार शाम को नाटक से पर्दा उठा और इस्तीफों की झड़ी के बीच न केवल कांग्रेस आलाकमान की जगहंसाई हुई, बल्कि अति आत्मविश्वास में डूबे पायलट के फिलहाल मुख्यमंत्री बनने पर पूर्णविराम लग गया।

बिखरते कांग्रेस को बचाना पहला लक्ष्य

गांधी परिवार के लिए अब राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना प्राथमिकता नहीं रह गया है। पहले बिखरती कांग्रेस को राजस्थान में संभालने की चुनौती सामने खड़ी है। वैसे सोशल मीडिया पर पायलट कैंप अब बेहद आक्रमक है और अशोक गहलोत के लिए जमकर अपशब्द कह रहा है।

विनोद पाठक

संपादकीय

नफरत है राष्ट्रधर्म!

पता नहीं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जोसेफ किस दुनिया में जी रहे हैं। तभी उनका नफरत को कोसना और उनका टीवी चैनलों व एकरों पर ठीकरा फोड़ना आश्चर्यजनक है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि सरकार कानून बनाए। सोचें, उस सरकार से उम्मीद, जिसका राष्ट्रधर्म और राष्ट्र मकसद नफरत है। नफरत की जो गंगोत्री है। कल्पना करें कि जस्टिस जोसेफ की जब टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह व उनके अफसरों ने सुनी होगी तब उन्होंने नफरत की किस भाव-भंगिमा में जज साहेब पर सोचा होगा। क्या दिल्ली की सत्ता, देश की सत्ता, हिंदू राष्ट्र और राजनीति के मौजूदा दिमाग में रत्ती भर भी जज साहेब की चिंता क्लिक हुई होगी? क्या मीडिया, टीवी चैनल, एकर तनिक भी परेशान हुए होंगे?

कतई नहीं। क्यों? इसलिए कि ये सब मौजूदा राष्ट्रधर्म के पालक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह तथा संघ परिवार के सच्चे, व नफरत के कर्तव्य पथ पर चलने वाले सेनानी हैं। इन टीवी चैनलों से ही हिंदुओं की बुद्धि है, उनका ज्ञान है और सपने हैं। प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा है। भक्ति का अंधविश्वास है। भारत बुद्धि का गंवार निर्माण है। प्रजा का सत्ता गुलाम बनना है।

दिल पर हाथ रख कर ईमानदारी से सोचें कि क्या नफरत, नफरती सरकार, नफरती मीडिया और लोगों की नफरती बुद्धि से सन् 2022 में भारत का राष्ट्र निर्माण होता हुआ नहीं है? नफरत वह जादू है, वह ईवीएम मशीन है, जिससे नरेंद्र मोदी की चुनावों में बार-बार छप्पर फाड़ जीत है।

छानबीन में मिले पुख्ता प्रमाण जुटाने होंगे, तोड़नी होगी कमर

पीएफआई यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से जुड़े लोगों और स्थानों पर एक साथ पूरे देश के दस से अधिक राज्यों में छापे तथा सौ से अधिक लोगों की गिरफ्तारियां बताती हैं कि एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी और ईडी लंबे समय से इसकी तैयारी कर रही थी। लगता है कि केंद्र सरकार ने छिटपुट कार्रवाई के बजाय एक साथ इस संगठन की कमर पूरी तरह तोड़ने तथा हर संभव सबूत इकट्ठा कर सारे संदिग्धों को गिरफ्तार करने की योजना बनाई थी।

जैसी आशंका थी, पीएफआई और दूसरे कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन इस कार्रवाई को आसानी से स्वीकार नहीं करेंगे। केरल से लेकर तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक और महाराष्ट्र में पीएफआई और उसके समर्थकों ने हिंसक प्रदर्शन किए हैं और आपत्तिजनक नारें लगाए हैं। केरल में स्थिति इतनी बिगड़ गई कि उच्च न्यायालय को इन विरोध प्रदर्शनों का संज्ञान लेना पड़ा। एसडीपीआई यानी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया दावा करती है कि उसका पीएफआई से कोई संबंध नहीं है, पर कई जगह उसके कार्यकर्ताओं ने पीएफआई के साथ न केवल छापे का विरोध किया, बल्कि हिंसक प्रदर्शनों और भारत विरोधी नारों तक में वे लगातार दिख रहे हैं। तो इस सबको किस रूप में देखा जाए? कुछ भाजपा व आरएसएस के विरोधियों के लिए

पीएफआई के खिलाफ कारगर रणनीति

भारत में पीएफआई का वित्त पोषण करने वालों की बड़ी संख्या है। दूसरे मुस्लिम संगठन ही बताते रहे हैं कि मुस्लिम व्यापारी पीएफआई की मदद कर रहे हैं। इस संदर्भ में पूरी जानकारी इन सबसे समस्त पूछताछ तथा छानबीन के बाद अवश्य सामने आएगी। जाहिर है, जो संपन्न लोग या व्यापारी पीएफआई को धन देते रहे हैं, उनके लिए भी आने वाले दिन कठिन होने वाले हैं।

पीएफआई के विरुद्ध कार्रवाई भी मुस्लिम विरोधी एवं हिंदू वर्चस्व की कार्रवाई है। आश्चर्य की बात है कि भारत की कोई राजनीतिक पार्टी खुलकर पीएफआई और एसडीपीआई के विरुद्ध कार्रवाई का समर्थन करने या इन दोनों का विरोध करने के लिए सामने नहीं आ रही है। हालांकि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने स्पष्ट कहा है कि पीएफआई की हड़ताल के दौरान राज्य में हुई हिंसा पूर्व नियोजित थी। उन्होंने पीएफआई पर करारा प्रहार किया है। पर उनके शासनकाल में पीएफआई की गतिविधियां खुलेआम चलती रही हैं। केरल के कोच्चि में एनआईए ने पकड़े गए पीएफआई चरमपंथियों को रिमांड पर लेने के लिए जो रिपोर्ट सौंपी, उसमें बताया गया है कि इनके संगठन ने युवाओं को लश्कर-ए-तैयबा और आईएस जैसे आतंकवादी समूहों में शामिल होने के लिए बरगलाया था। यह तर्क दिया जा सकता है कि एनआईए या ईडी ने केवल आरोप लगाए हैं, अभी ये प्रमाणित नहीं हुए हैं। बेशक, न्यायालय में आरोप प्रमाणित नहीं हुए हैं, लेकिन देश के सामने पीएफआई क्या है, यह स्पष्ट है। यह भारत की अकेली संस्था है, जिसके विरूद्ध राज्यों में 100 से ज्यादा मामले आतंकवाद विरोधी कानून यानी गैरकानूनी गतिविधियां निवारक कानून के तहत दर्ज हैं। छापे से बरामद दस्तावेज एवं गिरफ्तार पीएफआई सदस्यों से पूछताछ के बाद एनआईए एवं ईडी ने दावा किया है कि इनके निशाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे।

एनआईए और ईडी के अनुसार, पश्चिम एशिया में आईएफएफ पीएफआई के लिए धन जुटाने का सबसे बड़ा माध्यम बना हुआ है। अकेले संयुक्त अरब अमीरात और अरब देशों से पीएफआई को हर महीने 30 लाख दिरहम यानी करीब 6.7 करोड़ रुपये की फंडिंग होती है। भारत में पीएफआई का वित्त पोषण करने वालों की बड़ी संख्या है। दूसरे मुस्लिम संगठन ही बताते रहे हैं कि मुस्लिम व्यापारी पीएफआई की मदद कर रहे हैं। इस संदर्भ में पूरी जानकारी इन सबसे समस्त पूछताछ तथा छानबीन के बाद अवश्य सामने आएगी। जाहिर है, जो संपन्न लोग या व्यापारी पीएफआई को धन देते रहे हैं, उनके लिए भी आने वाले दिन कठिन होने वाले हैं।

अवधेश कुमार

मिला जुला

नगर की कुलदेवी महामाया मंदिर में 2061 अखण्ड ज्योत प्रज्वलित

सम्राट समुद्रगुप्त के काल में हुआ था प्रतिमा स्थापना और तालाब निर्माण

-मानिक गुप्ता

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

आदि शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदीय नवरात्र सोमवार से शुरू हो चुका है। महासमुंद की कुलदेवी राजराजेश्वरी मां महामाया की फुलवारी में खिले ज्योति सुमन की निराली छटा श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर रही है। माता दर्शन के लिए पहले दिन से ही उत्साही भक्तों की भीड़ भी शुरू हो गई है। कोरोना की कहर के चलते बीते 2 वर्षों तक नवरात्र महोत्सव का आयोजन लगभग ठंडे बस्ते में रहा। इस बार इस पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में व्यापक उत्साह छलक रहा है। पूरे नवरात्र भर यहां मेले सा माहौल रहता है। लाखों लोग यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। सभी वर्ग और धर्म के लोगों की मौजूदगी यहां सर्व धर्म समभाव का अत्यंत सुंदर मंजर नजर आता है। नगर के हृदय स्थल

पर स्थित महामाया मंदिर और महामाई तालाब के उल्लेख के बिना महासमुंद नगर की पहचान अधूरी है। इतिहास के जानकार मानते हैं किए यहां पर सम्राट समुद्रगुप्त की विजय वाहिनी ने शिविर डाला था। पहले यह स्थान महासमुद्र के नाम से जाना जाता था। अपभ्रम महासमुंद हो गया है। अनुमान है किए जिस समय सम्राट समुद्रगुप्त की विजय वाहिनी ने यहां शिविर डाला था। संभवत उसी समय सम्राट की पलटन सेना, ने स्नान-ध्यान की जरूरत पूरी करने के लिए तालाब और मंदिर का निर्माण किया था।

पहले तालाब फिर मंदिर का अस्तित्व आया सामने

बताया जाता है किए पहले जिंदगी के घरों की बस्ती थी महासमुंद घने जंगलों से गिरे इस बस्ती के एक किसान की भैंस गुम हो गई थी जो काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिली थी। फिर जब भैंस मिली तो उसके सिर और सिंग पर काई देखकर आसपास पानी की डबरी होने का अनुमान लगाया गया। खोजबीन करने पर तलाब का पता चला और महिषासुर मर्दिनी माता महामाया की प्रतिमा सहित मंदिर की भी जानकारी मिली। वर्तमान में पुराने मंदिर का स्वरूप बदल चुका है। लेकिन भव्य मंदिर में माता की प्रतिमा प्राचीन ही है। महामाई तालाब का क्षेत्रफ ल भी काफी सिमट चुका है। पहले यहां पर पाड़ा ;भैंस के बच्चेद्ध की बलि चढ़ाई जाती थी। जैनियों द्वारा बलि प्रथा के विरोध में अहिंसा आंदोलन चलाए जाने के बाद यहां पर बलि प्रथा बंद कर दी गई है। इसी प्रकार से 6.7 दशक पूर्व महिलाओं के लिए माता दर्शन की मनाही थी। कहां जाता था किए गर्भवती महिलाएं अगर मां के दर्शन कर ले तो स्वमेव गर्भपात हो जाया करता था। कालांतर में उक्त अंधविश्वास का खात्मा होने के बाद आज माता दर्शन करने वालों में सर्वाधिक भीड़ महिलाओं की होती है। अब तो संतान के लिए मनौतियां मानी जाती है।

घने जंगलों में भी बह रही शक्ति के भक्ति की बयार

नगर के पूर्वोत्तर में 10 किलोमीटर की दूरी पर वन क्षेत्र स्थित महादेव पठार सहित चंपई माता के दरबार में भी पूरी श्रद्धा से आदिशक्ति की आराधना उपासना की जा रही है। दोनों ही स्थानों पर अखंड ज्योति प्रज्वलित है। विराने जंगल में स्थित इन स्थानों पर देवी पूजा की परंपरा विगत कई वर्षों से चली आ रही है। विभिन्न गांवो से सेवा मंडली यहां आकर जस गीत रामायण आदि कार्यक्रम के जरिए अपनी श्रद्धा प्रगट करते हैं। पूरे नवरात्र भर यहां लोगों की चहल-पहल बनी रहती है।

सीएमओ महासमुंद के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई हो- पंकज साहू

मामला राज्य शासन के आदेश के अनुपालन का

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

नगर पालिका परिषद महासमुंद के सीएमओ क्या जिला कलेक्टर से वरिष्ठ हो गए हैं। यह सवाल दागा है, पूर्व पार्षद और समाजसेवी पंकज साहू ने। जाता है किए नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान पार्षद तथा सभापति जल विभाग पवन पटेल को अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में नगर पालिका को आर्थिक क्षति पहुंचाने के मामले में राज्य शासन द्वारा 5 वर्ष से अनधिक समय के लिए पार्षद अध्यक्ष के निर्वाचन ध्मनोनयन के लिए अयोग्य करने बीते 12 सितंबर को आदेश जारी किया गया। सीएमओ महासमुंद को भी 21 सितंबर को इसकी कापी मिल गई। प्रतिलिपि कलेक्टर और पार्षद पवन पटेल को भी प्रेषित हुई थी। उक्त आदेश के अनुपालन में पंकज साहू द्वारा 22 सितंबर को पालिका अध्यक्ष, मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा अवर सचिव को मांग पत्र प्रेषित कर पवन पटेल को पार्षद व सभापति पद से जाने की मांग की गई थी। दूसरी तरफ सीएमओ ने भी कलेक्टर को, शासनादेश की प्रति संलग्न कर कार्यवाही के लिए पत्र प्रेषित कर दिया। जबकि नियमानुसार सीएमओ पालिका के प्रमुख अधिकारी हैं और मैं शासन के आदेश को क्रियान्वित करना चाहिए और पार्षद को पद मुक्त की सूचना देकर कलेक्टर व निर्वाचन आयोग तथा विभाग को सूचित करना चाहिए। परंतु मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशीष तिवारी के द्वारा जानबूझकर पार्षद को अनुचित लाभ पहुंचाने की मंशा से नियम विरुद्ध अपने वरिष्ठ और विहित अधिकारी कलेक्टर को कार्रवाई के लिए पत्र प्रेषित किया जाना सीएमओ की प्रशासनिक क्षमता पर प्रश्न लगाता है। समाजसेवी पंकज साहू ने छत्तीसगढ़ शासन मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन मंत्रालय रायपुर एवं जिला कलेक्टर को इसकी शिकायत करते हुए सीएमओ के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

दो सिर वाली बच्ची ने लिया जन्म,देखने को लगा लोगों का तांता

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत खमरौध के उप स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार की सुबह दो सिर की बच्ची ने जन्म लिया। जन्म लेते ही एक सिर मृत अवस्था में था जबकी दूसरा सिर कुछ देर तक जीवित रहा। इसकी सूचना मिलते ही उप स्वास्थ्य केंद्र में बच्ची को देखने के लिए लोगों का तांता लगा राह। सभी लोग 2 सिर वाली बच्ची को देखकर हैरान और दंग रह गये। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम करवा के चंद प्रकाश की पत्नी रामकली

का बुधवार को सुबह प्रसव का दर्द होने पर उसे उप स्वास्थ्य केंद्र। खमरौध में भर्ती कराया गया। 28 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे रामकली ने एक बच्ची को जन्म दिया। प्रसव करा रहे अस्पताल के कर्मचारियों और नर्स ने देखा की जन्म लेने वाली नवजात बच्ची के 2 सिर आपस मे जुड़े हुए हैं। देखते ही देखते ये बात पूरे गांव में आग की तरह फैल गई जिसके बाद 2 सिर वाली बच्ची को देखने के लिये सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंच गये। ड्यूटी में तैनात अस्पताल के कर्मियों ने बताया की जन्म के बाद ही बच्ची का एक सिर शुरू से ही निष्क्रिय रहा जबकि दूसरा सिर कुछ देर तक मूवमेंट कर रहा था। लाखों मरीजों में इस तरह का मामला सामने आता है। पूरी तरह से शारीरिक विकास नहीं हो पाने के कारण बच्ची की मौत हो गई है वहीं रामकली अभी भी अस्पताल में भर्ती है जहां उसका उपचार चल रहा है।

भाजपा में घर वापसी पर डॉ. संपत का बसना में आतिशी स्वागत

पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने करूंगा प्रयास-संपत अग्रवाल

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

नीलांचल सेवा समिति के संस्थापक एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ सम्पत अग्रवाल के भारतीय जनता पार्टी के शामिल होने के बाद प्रथम बसना नगर आगमन पर जगह-जगह ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पिथौरा, सांकरा, भगतदेवरी व बसना के राष्ट्रीय राजमार्ग.53 बाईपास से फ.ूल माला से सजे जिप्सी में सवार डॉ. सम्पत अग्रवाल का भाजपाइयों एवं नीलांचल सेवा समिति के हजारों कार्यकर्ताओं ने भाजपा का गमछा और झंडा पकड़कर विशाल बाइक रैली निकाली। जहां डीजेए कीर्तन मंडली बाजे.गाजे के साथ आतिशबाजी करते हुए भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद और संपत अग्रवाल जिंदाबाद के नारे लगाते हुए जनपद चौक से बस स्टैंड सड़क मार्ग से होते हुए सभा स्थल शहीद वीरनारायण सिंह चौक पहुंचे। इस दौरान नीलांचल सेवा समिति के सदस्यों, नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों, समाज प्रमुख, अनेक ग्राम के महिला समितियों सहित क्षेत्र की जनता ने डॉ. सम्पत अग्रवाल ऐतिहासिक रूप में स्वागत किया। डॉ. सम्पत अग्रवाल ने सर्वप्रथम शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का पूजा अर्चना कर कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां माटीकला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष चन्द्रशेखर पांडे, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष धनमाली साव, भूतपूर्व सैनिक वेणुधर साहू, पूर्व भाजपा जिला

उपाध्यक्ष सुवर्धन प्रधान, बसना नगर पंचायत के अध्यक्ष गजेन्द्र साहू, नगर पंचायत के उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, पनिका मानिकपुरी समाज परिक्षेत्र अध्यक्ष जगदीशदास, बसना आंचलिक कोलता समाज के अध्यक्ष लखपति प्रधान, सभापति कोलता समाज थबीर साहू, पटेल संघ के अध्यक्ष जोगेन्द्र सिंह जटाल, सारंगढ़ के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजेश अग्रवालए पूर्व पार्षद निर्मल दास, अमित अग्रवाल, पार्षद किशन अग्रवाल, शीत गुप्ता, मीडिया सलाहाकार जर्नलिस्ट प्रकाश सिन्हा, विकास वाधवा, रमेश डड़सेना, नरेन्द्र साहू,नीलांचल सेवा समिति के 18 सेक्टर प्रमुखों ने भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वही बसना नगर के अग्रवाल महासभा के युवाओं ने भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में विशाल जनसमुदाय को अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि शुरू से ही मूल रूप से स्वमं सेवक संघ का सदस्य रहा हूं। भारतीय जनता पार्टी मेरा परिवार है। कुछ समय के लिए ना चाहते हुए भी पार्टी से दूर रहा। आज मैं बहुत खुश और अभिभूत हूं कि विश्व की सबसे बड़े पार्टी भाजपा में घर वापसी हुई है। इसके लिए केंद्रीय, प्रदेश, जिला नेतृत्व सहित स्थानीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। जिन्होंने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ पार्टी ने मुझे मौका दिया। निश्चित ही सभी के साथ मिलकर क्षेत्र के विकास के साथ पार्टी को शिखर पर पहुंचाने का काम करते हुए सभी के उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

मनरेगा योजना में सामने आया फर्जीवाड़ा, मजदूरों की जगह जेसीबी से कराया काम

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

कोंटा विकास खंड से महज 20 किलोमीटर दूर पर बसा मुलाकिसोली ग्राम पंचायत किसी न किसी मामले को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहता है। बहुमूल्य ग्रेनाइट खदान के फर्जी टेंडर को लेकर मुलाकिसोली पंचायत छत्तीसगढ़ राज्य ही नहीं बल्कि अंतरराज्जीय पहचान बना ली है। ग्रेनाइट टेंडर को लेकर सरपंच, पटेल एवं ग्राम सदस्यों के फर्जी दस्तखत से टेंडर करते देख भाजपा एवं भाकपा ने फर्जी तरीके से हो रही इस टेंडर को रोक लगाने एवं फर्जी दस्तखत किए मुलाकिसोली सचिव के ऊपर,रीबोर थाने में एफ आई आर दर्ज भी करवाई गई थी। उसकी जांच पूरी भी नहीं हुई मुलाकिसोली पंचायत के सचिव ने गरीब आदिवासियों के साथ खिलवाड़ करते हुए एक और फ जीवाड़ा सामने आई है। भ्रटाचार में लिप्त सचिव ने शासन की आड़ में मनरेगा अधिनियम अधीन भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्धारित तथा निर्देशों की धज्जियां

उड़ाते हुए सड़क निर्माण कार्य को गरीब आदिवासी मजदूरों से ना करवाकर जेसीबी से करवाया गया है। हैरान करने वाली बात ये है कि प्रशासकीय स्वीकृति मिलने से एक माह पहले ही वंजम गुडा से जगावरम मार्ग में 2 किमी के सड़क का निर्माण जेसीबी से करवाया गया है। और 10 लाख से ज्यादा पैसा भी आहरण कर लिया गया है। इस से यह स्पष्ट हो जाता है कि पंचायत सचिव की पहुंच कहां तक है तथा सचिव के ऊपर शासन का आशीर्वाद कितना है।

मनरेगा के उद्देश्य का ही गला घोंट दिया

ग्रामीण क्षेत्रों में हर व्यक्ति को कार्यस्थल पर उनकी आधार भूत जरूरतों को ध्यान में रखकर 100 दिन का रोजगार मुहैया कराने तथा ग्रामीणों का पलायन करने से रोकने के लिए मनरेगा योजना लागू किया गया था। ताकि मनरेगा के लागू होने से पंचायती राज व्यवस्था काफी सुदृढ़ होगी। इससे सबसे ज्यादा फायदा यह होता है कि ग्रामीणों का पलायन रुक सकता है। लोगों को घर बैठे काम मिलेगा और निर्धारित मजदूरी भी। लेकिन मुलाकिसोली पंचायत के सचिव ने मनरेगा योजना के नियमों का ही गला घोंट दिया। उक्त सचिव के ऊपर तीन साल पहले मुलकिसोली पंचायत में भ्रष्टाचारी के मामले में जांच दल बैठा कर तत्काल दूसरे पंचायत में भी स्थानांतरण किया गया था। लेकिन सत्ता पक्ष के संरक्षण के चलते बिना कार्यवाही किए ही पुनः मुलाकिसोली पंचायत में ही पदस्थ रखा गया है।

पहली बारिश में ही गुणवत्ता विहीन सड़क की उड़ी धज्जियां

मनरेगा का उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एक वित्तीय वर्ष में हर मनरेगा जॉब कार्ड परिवार के लिये कम से कम 100 दिनों के रोजगार की गारंटी प्रदान करना हैएलेकिन भ्रटाचार की आदि पड़े सचिव ने सत्ता की आड़ में प्रशासकीय स्वीकृति मिलने से पहले ही नियमों के विरुद्ध मजदूरों के द्वारा करवाए जाने वाले सड़क निर्माण कार्य को जेसीबी से गुणवत्ता विहीन सड़क का निर्माण किया गया था। जो जुलाई माह में गिरे पहली बारिश ने बहा ले गया है।

मजदूरी नहीं मिलने से आदिवासी परिवार कर रहे हैं पलायन

बेकसूर गरीब आदिवासी मजदूर रोजगार नहीं मिलने के कारण दो वक्त की रोटी के लिए दूसरे राज्यों में पलायन के लिए मजबूर हैं। जबकि ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से पहली प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्र का विकास तथा भारत से गरीबी और भुखमरी हटाने के उद्देश्य से सामाजिक और आर्थिक आधार पर जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की एक अच्छी पहल मनरेगा योजना है लेकिन निजी स्वार्थ के चलते अपनी कमाई को ताक में रखकर गरीब आदिवासियों की मजदूरी कार्य को छीनकर जेसीबी से सड़क निर्माण कार्य करवाया गया है। जिससे दो वक्त की रोटी की तलाश में मुलाकिसोली पंचायत के कई ग्रामीण आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य की ओर पलायन कर चुके हैं।

मजदूरी भी नहीं, मजदूरी का मेहनताना भी नहीं

कोंटा विकास खंड के गरीब असहाय भोले भाले आदिवासी परिवारों की स्थिति इतनी गंभीर है कि बातों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। एक ओर न भूख न प्यास दूसरी ओर भीषण गर्मी की चपेट में लहू लुहान होते शरीर को भी नजरंदाज करके परिवार के भरण पोषण के लिए तेंदूपत्ता की तुड़ाई करते हैं। ग्रामीण अंचलों की जिंदगियां वनोपज के तेंदूपत्ता संग्रहण से लेकर महुआ,टोरा के आमदनी में ही आश्रित रहती है। इसमें हुई आमदनी से उनके परिवारों में होने वाले त्योहार, शादी,एवम् अन्य घरेलू कार्यों में खर्च करते हैं। उक्त तीन चार वनोपज पर ही पूरा परिवार आश्रित रहता है। शासन की छत्र छाया के संरक्षण में भ्रष्टाचारी करते लोग अपनी हदे पार करके बेकसूर आदिवासियों के तेंदूपत्ता मेहनताना पैसों को लूटने से लेकर मनरेगा मजदूरी कार्य को छीनने तक कोई कसर नहीं छोड़ी है।

एक नजर

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जगदलपुर में बेरोजगार युवाओं द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग जैसे ईमली प्रोसेसिंग यूनिट, बेकरी, डेयरी उत्पाद, मसाला उद्योग, अचार पापड़ बड़ी निर्माण, वनोपज पर आधारित खाद्य प्रसंस्करण यूनिट इत्यादि की स्थापना के लिए तथा स्थापित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विस्तार हेतु केन्द्र शासन की ''प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत् वर्ष 2022–23 में ऋण हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत बस्तर जिले को 35 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना अंतर्गत परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम सीमा 10 लाख अनुदान है। योजनान्तर्गत व्यक्तिगत हितग्राही, स्व–सहायता समूह एवं कृषक उत्पादन संगठन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। 18 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राही आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक तथा निवास संबंधी दस्तावेज सहित ऑनलाईन आवेदन वेबसाईट में किया जा सकता है। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, झंकार टॉकीज के पीछे जगदलपुर में कार्यालयीन समय पर संपर्क किया जा सकता है।

अवैध निर्माण भवन अनुज्ञा के निर्माण किये भवनों का नियमितीकरण करने के लिए नगर पालिका या नगर पंचायत में करना होगा आवेदन

कांकेर । नगरपालिका से बिना भवन अनुज्ञा लिए अथवा अनुज्ञा के विपरीत बनाये गये आवासीय एवं गैर आवासीय भवन के नियमितीकरण हेतु राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास नियमितीकरण नियम 2022 जारी किया गया है, इससे वे सभी भवन जिनका भूमि उपयोग परिवर्तन एम.ओ.एस., एफए.आर. पार्किंग में भवन अनुज्ञा से विपरीत है, उनका नियमितीकरण निर्धारित शास्ति लेकर किया जावेगा।

बस्तर में सुगंधित धान, मसालों व तिलहन की खेती की अपार संभावना - डॉ.कमलप्रीत सिंह

जगदलपुर । कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बस्तर संभाग में कृषि एवं सहयोगी विभागों द्वारा संचालित गतिविधियों की समीक्षा के दौरान खरीफ वर्ष 2022 की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2022–23 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए आयोजित बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़े कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ.कमलप्रीत सिंह ने कहा कि बस्तर में सुगंधित धान के साथ ही मसालों की खेती की अपार संभावनाएं हैं, साथ ही बस्तर में तिलहन की खेती के लिए भी जलवायु अनुकूल है। उन्होंने बस्तर में सरसों की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बस्तर को जैविक संभाग बनाने की ओर कदम बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने मिलेट मिशन के तहत रागी व कोदो–कुटकी के उत्पादन को बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यता है।

इस अवसर पर कृषि विभाग के विशेष सचिव एवं संचालक डॉ. अय्याज तम्बोली ने कहा कि संभाग के ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत बीज आज भी उपलब्ध हैं, जिनकी कई विशिष्टताएं हैं। इन बीजों की जानकारी रखने के साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से इनका पंजीयन करवाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन बीजों की विशिष्टताओं के संबंध में जागरुकता लाए जाने की आवश्यकता भी है, जिससे इनकी अच्छी कीमत प्राप्त हो। उन्होंने वर्तमान समय में पूरे विश्व में बढ़ी गेहूं की मांग को देखते किसानों को गेहूं की खेती के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि लघु सिंचाई परियोजना तथा नए जलस्त्रोतों के आस–पास के किसानों को आसानी से प्रेरित किया जा सकता है। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य पोषित योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए किसान पंजीयन पर जोर दिया।

शराब पकड़ने पहुंची आबकारी टीम की पिटाई

* ग्रामीण मां–बेटी पर मारपीट का जुर्म दर्ज

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

शराब की अवैध बिक्री की शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए पहुंचे आबकारी अमले के साथ मारपीट हो गई। घटना बसना थाना क्षेत्र के ग्राम मुनगाडीह का है। पुलिस ने शिकायत पर मां और बेटी के खिलाफसरकारी काम में बांधा पहुंचाने सहित मारपीट का जुर्म दर्ज किया है। आबकारी उपनिरीक्षक सविता रानी मेश्राम ने बताया कि 27 सितंबर को शराब की अवैध बिक्री की शिकायत पर वे अमले के साथ मुनगाडीह निवासी बिंदा बाई के घर गए थे। तलाशी पूर्व बिंदा बाई और पुत्री सीमा बंजारे की आबकारी अमले के साथ झड़प हो गई और मारपीट हो गई। इससे उपनिरीक्षक के हाथ में खरोंच आई है। मेश्राम ने बताया कि आरोपियों ने उनके साथ गाली.गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस दौरान आरोपियों के घर से 20 लीटर महुआ शराब जब्त की गई है। आरोपियों के खिलाफ धारा 294ण् 186ए 332, 353, 34 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया गया है।

थाना प्रभारी प्रमोद सिंह पर कार्यवाही हेतु खैरी के ग्रमीणों ने दिया आवेदन

प्रमोद सिंह पलारी थाना प्रभारी से क्षेत्र में दहशत का माहौल

जोहार छत्तीसगढ़–बलौदा बाजार।

बलौदा बाजार भाटापारा जिले के पलारी थाना क्षेत्र में अजब गजब का माहौल देखने को मिल रहा है एक तरफ तो पलारी पुलिस हर अवैध कार्यों पर अंकुश लगाते हुए वाहवाही लूट आ रही है और आज भी ताजा जानकारी के अनुसार थाना पलारी पुलिस द्वारा पांच आरोपियों को 70 पाव देसी मसाला एवं 52 लीटर महुवा शराब तथा तीन मोटरसाइकिल भी जप्त कर कार्यवाही किए जिसमें पुलिस अधीक्षक ने भी पलारी थाना प्रभारी प्रमोद सिंह के कार्यों को देख कर और पलारी पुलिस टीम की सराहना भी की मगर आज ही इसी तरह में पलारी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खैरी के ग्रामीणों ने

पुलिस अधीक्षक से प्रमोद सिंह के ऊपर आरोप लगाते हुए कार्यवाही की भी मांग की मामला का विवरण इस प्रकार से है कि पलारी थाना में पदस्थ थाना प्रभारी प्रमोद सिंह जो सिंघम की तरह ही कार्य कर रहे हैं और क्षेत्र में दबदबा बनाते हुए हर अवैध कार्यों पर अंकुश लगा रहे हैं साथ ही साथ हर प्रकरण पर जल्द से जल्द निपटारा करने हेतु आतुर दिखाई दे रहे हैं मगर आज ग्राम खैरी के लोगों ने थाना प्रभारी प्रमोद सिंह के ऊपर बेहद नाराजगी जताते हुए उन पर कड़ी कार्यवाही के लिए आवेदन दिए जिसमें लिखा गया था कि ग्राम खैरा के निवासीगण प्रमोद सिंह से बहुत परेशान है क्योंकि प्रमोद सिंह थाना प्रभारी मनमानी ढंग से कार्य करते हैं जबरन किसी न किसी भी केस दायर कर देता है और कभी भी आकर खैरी वालों को उठा कर थाना ले जाता है जिससे उन्हें बदनामी सहनी पड़ती है ताजा उदाहरण के लिए खैरी निवासी सम्मत धृतलहरें जो किसी भी शराब के मामले में संलिप्त नहीं था फिर भी उसे 34/2 की कार्यवाही में जेल जाना पड़ा और उसी तरह सुखचंद बांधे को भी केस बनाकर जेल भेज दिया गया ऐसे में हो सकता है कि अगर वहां कोई अनुचित घटना घट जाए या कोई मर्डर जैसे कार्य में हो जाए तो किसी न किसी को आरोपी बना दिया जाएगा ऐसी हालत में वह असहज और असहाय महसूस कर रहे हैं उपरोक्त बातें खैरी निवासी लोगों ने अपने आवेदन में कही तथा प्रमोद सिंह थाना प्रभारी के ऊपर कड़ी कार्यवाही करने की पुलिस अधीक्षक बलोदा बाजार दीपक झांसी मांग की। खैरी के लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किया है जिस पर हम जांच कर उचित कार्रवाई करेंगे।

जन्म दिवस पर कांग्रेसियों को याद आये शहीद–आजम भगत सिंह

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

शहीद भगत सिंह अपने आप को देश के लिए समर्पित कर चुके थे। इसी विचार के साथ हमेशा देश को आजाद करने के जद्दोजहद में लगे रहते थे सरदार भगत सिंह एक महान क्रांतिकारी हुए जो नौजवान भारत सभा,हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन,सोसिएशन संगठन से जुड़े रहे एवं देश के आजादी के लिए उन्होंने मात्र 23 वर्ष की उम्र में जान न्योछावर कर दी। जॉन.पी. सांडर्स और चनन्न सिंह की हत्या के अपराध में 23 मार्च 1931 में लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी की सजा दी गई। सरदार भगत सिंह अगर चाहते तो अनेकों माफी वीरों की तरह माफी मांग

कर अपना सजा कम करवा सकते थे या अपनी फांसी की सजा से बच सकते थे। लेकिन सरदार भगत सिंह पूरे देश के सामने एक उदाहरण रखना चाहते थे कि अगर एक भगत सिंह फांसी की फंदों पर हंसते हंसते झूल सकते हैं तो देश के लाखों युवा इससे प्रभावित होकर देश के प्रति अपना जान न्योछावर करने को तैयार हो सके इस कारण सरदार भगत सिंह हंसते हंसते फांसी के फंदे में झूलना पसंद किया। पर अंग्रेजों के सामने झुकना पसंद नहीं किया। सरदार भगत सिंह अपने आप को नास्तिक कहा करते थे।

परंतु पढ़ने लिखने के वह बहुत शौकीन थे अपनी मृत्यु से कुछ देर पहले भी उन्होंने एक किताब से कुछ पढ़ रहे थे ऐसे महान देशभक्तों का अमर शहीद को पूरा कांग्रेस कमेटी की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई इस सभा में डॉ.रश्मि चंद्राकर जिला अध्यक्ष,खिलावन बघेल शहर अध्यक्ष,प्रमोद चंद्राकर लघु वनोपज अध्यक्ष,कृष्णा चंद्राकर उपाध्यक्ष नगर पालिका,सोमेश दवे संयुक्त महामंत्री,गुरमीत चावला महामंत्री,सुरेश द्विवेदी कोषाध्यक्ष,अन्नू चंद्राकर सरपंच,कविता तिवारी सेवादल,हुलास गिरी गोस्वामी जिला उपाध्यक्ष,विजय साव,सुनील चंद्राकर,जावेद चौहान, हर्षित चंद्राकर,ममता चंद्राकर,लीना कमल,प्रतिभा यदू,राजू साहू,लखन चंद्राकर,मो. इमरान कुरैशी,बसंत चंद्राकर,लीलू साहू,लक्ष्मी सोनी,कविता,दिनेश दुबे इत्यादि पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

1 नवम्बर से शुरू होगी धान खरीदी, कलेक्टर ने तैयारियों का जायजा लेने केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 1 नवम्बर से शुरू किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने जिले में धान खरीदी से पूर्व तैयारियों का जायजा लेने विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के खरीदी केंद्र सरभोका तथा पटना का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से किसानों के पंजीयनए बारदानों की उपलब्धता, चबूतरों, टोकन व्यवस्था आदि के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने राजस्व विभाग को समय पर किसानों के रकबा सत्यापन का कार्य शुरू कर पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर शर्मा ने कहा की धान खरीदी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। इस कार्य में लापरवाही तथा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने केन्द्रों में आर्द्रतामापी यंत्रों, तौल मशीन, पेयजल, विद्युत, तिरपाल आदि की पर्याप्त व्यवस्था तथा कोचियों.बिचौलियों पर नजर रखने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन सड़क का किया अवलोकन, कार्य में विलम्ब पर लगेगी पैनाल्टी

कलेक्टर शर्मा ने इस दौरान ग्राम तेन्दुआ में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन सड़क का अवलोकन किया। बताया गया कि तेन्दुआ बाजार चौक से झिम्मापारा तक निर्माणाधीन सड़क में 11 पुल–पुलियों सहित सड़क की लम्बाई कुल 3.2 किलोमीटर है, जिसमें 4 पुलियों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर ने निर्माण कार्य में धीमी गति पर ठेकेदार को कड़ी फटकार लगायी तथा समय पर कार्य पूर्ण नहीं किए जाने पर ईई पीडब्ल्यूडी को प्रतिसप्ताह पैनाल्टी लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्षमता बढ़ाते हुए जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्माण कार्य पूर्ण करें।

15 आरक्षक हुए प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत

पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल ने लाल फित्ती लगाकर नवपदस्थ प्रधान आरक्षकों का बढ़ाया मनोबल

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

आरक्षक से प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति हेतु वर्ष 2022 की योग्यता सूची में सम्मिलित जिला कोरिया के 15 आरक्षक क्रमशः म.आरक्षक लूना सिंह, सुनीता पैंकरा आरक्षक आनंद टोप्पो, संजय भगत, अरविंद कौल, अमित कुमार त्रिपाठी, प्रवीण कुमार पटेल, ओम प्रकाश राजवाड़े, राम भगत, सुमार साय पैंकरा, जगरनाथ सिंह, दीपक कुजुर, अमरलाल टोप्पो, शिव कुमार सिंह, रामस्वरूप मार्को को पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल ने लाल फि त्ती लगाकर

पदोन्नत किया। पदोन्नति पश्चात एसपी कोरिया ने सभी को बधाइयां दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बेसिक पुलिसिंग के टिप्स दिए। एसपी कोरिया ने सभी से उनके कार्यकाल के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। उक्त कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्री नेलशन कुजूरए उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री श्याम लाल मधुकर सहित समस्त कार्यालय के अधिकारी ध्कर्मचारी उपस्थित रहें।

श्रेष्ठ लेखक के रूप में डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति का नाम जैकी बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

टैलेंट आईकॉन अवार्ड देने की घोषणा

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

जैकी बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड दुनिया भर में प्रतिभाशाली लोगों की अनूठी उपलब्धियों को पहचानने एवं प्रकाशित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करता है। इसी कड़ी में जेबीडब्लूआर द्वारा मस्तूरी बिलासपुर निवासी डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति का नाम ष्विश्व में सर्वाधिक होनहार लेखक के रूप में दर्ज करते हुए उन्हें टैलेंट आईकॉन अवार्ड. 2022 प्रदान करने हेतु निर्णय लिया गया है। आप वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग में उपसंचालक हैं। साथ ही छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के संस्थापक एवं प्रदेशाध्यक्ष भी हैं। हाल ही में असाधारण साहित्य सेवा के लिए वर्ष 2022 का डॉ. नेल्सन मंडेला ग्लोबल ब्रिलियंस अवार्ड के लिए भी आपका चयन हुआ है। डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति गद्य और पद्य की सभी प्रमुख विधाओं में साहित्य सृजन करते हैं। अब तक आपकी 31 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसमें पद्य विधा की 18 और गद्य विधा की 13 पुस्तकें शामिल हैं। गद्य विधा के अन्तर्गत 7 कहानी संग्रह, 4 लघुकथा.संग्रह एवं 2 उपन्यास शामिल हैं। आपके द्वारा सेक्स वर्कर्रों की विवशताओं, जीवन.संघर्ष, उनकी समस्याओं एवं समाधान के बारे में लिखा गया अदा उपन्यास विश्व में सर्वाधिक

पढ़े जाने वाले उपन्यासों में से एक है। अभी आपकी दर्जन भर पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।कविए लेखक, समीक्षक एवं सम्पादक. साहित्य वाचस्पति डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति को 16 अक्टूबर 2022 को मायिलादु थुराई, तमिलनाडु में आयोजित भव्य समारोह में श्रेष्ठ लेखक का टैलेंट आईकॉन ;नैसर्गिक प्रतिभा प्रतीक सम्मानद्ध प्रदान किया जाएगा। इसके तहत आकर्षक प्रमाण पत्र, मेडल, ट्रॉफ ी, बैज इत्यादि प्रदान किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न वेबसाइटों में उपलब्धियों को दर्ज कर लोगों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु विश्व भर में प्रचार.प्रसार किया जाएगा।

जैकी बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति का नाम शामिल होने तथा टैलेंट

आईकॉन–2022 प्रदान किए जाने की खबर लगते ही साहित्य जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस मौके पर परिजनों के अलावा छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के डॉ. गोवर्धन मार्शल, ज्ञानी लहरे, जुगेश बंजारे धीरज, गणेश्वर आजाद, मणिशंकर दिवाकर गदगद, मनोज खाण्डे मन, सुरजीत, तिलक तनौदी, जगतारन डहरे, कार्तिक पुराण धृतलहरे, बूंदराम जांगड़े, दिलीप खोटे, रमेश टण्डन, कमलेश कमल, रमेश भास्कर रसिय्यार, अश्वनी कोसरे प्रेरक, डॉ.दुर्गाप्रसाद मेरसा, अनिल कुमार मौर्य अनल, हजारी लाल कुर्रे, परमेश्वर प्रसाद अंचल, अशोक बंजारे, ओम प्रकाश पात्रे, प्रेमदास प्रेम,प्रीतलाल कुर्रे, खेमचन्द कुर्रे, गणेश महन्त, डॉ.ने दी।

जिले भर के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रुप से संचालित हो रही दवाई दुकानें

औषधि विभाग के संरक्षण में जनता के जानमाल के साथ खिलवाड़

जोहार छत्तीसगढ़-बलौदाबाजार।

भाटापारा जिलेभर में अवैध मेडिकल संचालन का खेल काफी पुराना है। जिलाक्षेत्र के लगभग हरेक गाँव में बिना लाइसेंस मेडिकल स्टोर की भरमार है। सरकारी व निजी अस्पताल के सामने अधिकांश मेडिकल स्टोर संचालित हैं। जो नियमों को ताक पर रखकर मरीजों की जिदगी से खिलवाड़ करते हैं।

आखिर जिला बलौदाबाजार के औषधि विभाग के जवाबदेही किसकी

बिना लाइसेंस के चलने वाली इन दुकानों पर अप्रशिक्षित व्यक्ति मरीजों का दवा देते हैं। इन दुकानों पर अनाप सनाप कीमत में दवाएं बेचने का खेल भी खूब चलता है। विभागीय अधिकारियों से साठगांठ होने के कारण मेडिकल संचालक बेखौफ होकर अपनी दुकानें चला रहे हैं। वहीं विभागीय सेटिग कर यह मेडिकल संचालक गाव देहात से आने वाले मरीज के तीमारदारों को जमकर दवाओ के नाम पर लूटते हैं जबकि विभागीय अधिकारी में कोई न कोई अधिकारी निरीक्षण करने आता है। तो झोला भर कर जाते है। आज तक किसी ने इन मेडिकल स्टोर के लाइसेंस तक चेक नहीं किए दवाओं का निरीक्षण नहीं किया। यहां तक कि दवा की खरीदी पर ग्राहकों को पक्का बिल देने में भी यह दुकान परहेज करते हैं। बहुतो के पास कंप्यूटर नहीं है तो बहुतो के पास बिल बुक नहीं रहता है। ग्राहक द्वारा मांगने पर पहले तो टहलाया जाता है। जब नहीं मानता है तो दवा के कागज के लिफाफे पर ही कीमत लिख दी जाती है। कुछ दवाएं ऐसी भी हैं। जिन्हें सिर्फ डॉक्टर के परामर्श पर ही बेचने का नियम हैए लेकिन मेडिकल संचालक चिकित्सक के परामर्श पर मिलने वाली दवाएं भी लोगों को बेरोक टोक बेचते हैं। मेडिकलू स्टोर संचालक खुद ही चिकित्सक बनकर लोगों को महंगी दवा देकर उन्हें बेवकूफ बनाने से भी नहीं चकूते। बुद्धिजीवियों का मानना है कि इस तरह की मेडिकल स्टोर दवाई का जानकारी नहीं होने के बावजूद बड़ी बीमारी का भय दिखाकर खुलेआम ऊंची दामों में दवा बेचते हैं। जो आम लोगों के लिए घातक है। चौंकानेवाली बात है कि यह सबकुछ जानते हुए भी स्वास्थ्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी कार्रवाई नहीं करते है जिले के पलारी ब्लॉक में सालभर एक भी कार्यवाही नहीं है पलारी ब्लॉक के औषधि निरिक्षक का कहना है कि कोई लिखित में शिकायत नहीं आया है। तो क्या क्षेत्र में कोई शिकायत करेगा तो बस कार्यवाही होंगी अन्यथा क्षेत्र में कितनों भी अवैध दुकाने संचालित हो कोई जिम्मेदारी नहीं होंगी। तो वही बलौदाबाजार व अन्य ब्लॉक में 2-3 कार्यवाही की गयी है जिसमे भी हाईकोर्ट में लंबित है होना बताया है। हो रहे अवैध दवाई दुकान संचालित के सम्बन्ध में पूछा गया तो औषधि निरीक्षकों द्वारा बताया गया हम लोग अधिकृत नहीं है जवाब आया उसके बाद जिला बलौदाबाजार भाटापारा औषधि प्रभारी से मोबाइल के माध्यम से जानकारी चाही गयी तो उनके द्वारा भी पल्ला झाड़ने जैसे बाते मैं जवाब नहीं दे पाउंगा सेकेंट्री साहब ही बता पाएंगे कर के बोला गया। बलौदाबाजार जिला औषधि विभाग को निरक्षकों के द्वारा चलाया जा रहा है लेकिन वही जब जवाब देने की बात आ रही है तो एक दूसरे के ऊपर थोपा जा रहा है तो यह किस हद तक सही है।

एक नजर

दो अक्टूबर को ग्राम सिसदेवरी में सुआ प्रतियोगिता का आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़-बलौदाबाजार।

विकासखंड पलारी से 10 किलोमीटर दूर ग्राम सिसदेवरी में राज्य-स्तरीय छत्तीसगढ़ी सुवा नित्य प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। यह कार्यक्रम 2 अक्टूबर दिन रविवार संध्या 6रू बजे से प्रारंभ होगा जिसमें प्रथम पुरस्कार 10001 एवं स्मृति चिन्ह द्वितीय पुरस्कार 5001 एवं स्मृति चिन्ह तृतीय पुरस्कार 3001 एवं स्मृति चिन्ह प्रतिभागी को सम्मानित किया जाएगा प्रवेश शुल्क 301, रुपए रखा गया है यह आयोजन साहाडा चौक समिति सिसदेवरी के तत्वधान में रखा गया है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक कसडोल शकुंतला साहू, वरिष्ठ अतिथि छाया वर्मा पूर्व राज्यसभा सांसद गायत्री चंद्राकर नरेंद्र चंद्राकर रहेंगे इस कार्यक्रम के निर्णायक समिति में भावना चंद्राकर नेहा चंद्राकर भारती चंद्राकर जानकी चंद्राकर सुषमा चंद्राकर छाया चंद्राकर पुष्पा तिवारी का नाम सर्व समिति से समिति द्वारा निर्णय लिया गया तथा प्रतिभागी अपना वाद्य सामग्री साथ लावे निर्णायक का निर्णय सर्वमान्य रहेगा किसी प्रकार का नशा पान कर मंच करने पर अंक काट दिया जावेगा समिति द्वारा कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है जिसमें कार्यक्रम स्थल में कार्य चल रहा है प्राप्त आयोजक समिति के अध्यक्ष पप्पू चंद्राकर ने दी।

पर्यटन क्षेत्र में प्राकृतिक संपदा धरोहर को एक नई पहचान मिल सकती है- गुलाब कमरों

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

एमसीबी जिले के अंतर्गत आने वाले जनकपुर हर चौका, गौर घाट सिद्ध बाबा मंदिर ऐसे कई स्थान है जिसे पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिल सकती है साथ ही स्थानीय लोगों को एक बेहतर रोजगार मुहैया हो सकता है। आपको बता दें कि जिला एमसीबी के अंतर्गत आने वाले ऐसे कई क्षेत्र हैं जो कि पर्यटन के

क्षेत्र में एक नई पहचान प्रदेश को दे सकते हैं जिसको लेकर जनकपुर भरतपुर विधानसभा के विधायक और सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुलाब कमरों ने प्रदेश सरकार से आह्वान करते हुए कहा कि जिस प्रकार से प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश को चौमुखी विकास देने का कार्य कर रहे हैं ऐसे में जिला एमसीबी के कई ऐसे स्थान है जिन्हें पर्यटन के रूप में विकसित कर प्रदेश को एक नई पहचान मिल सकती है अपनी बात रखते हुए विधायक कमरों ने बताया कि जनकपुर के हर चौका से शुरुआत की जाए तो रमदाहा जलप्रपात गौर घाट सिद्ध बाबा मंदिर ऐसे कई स्थान हैं जो की प्राकृतिक सुंदरता से भरे हुए हैं और छत्तीसगढ़ प्रदेश सरकार इन चुने हुए स्थानों को डेवलप करके पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहचान देने की कवायद शुरू कर दी है इससे छत्तीसगढ़ प्रदेश को पर्यटन के रूप में जहां एक नई पहचान मिलेगी वही स्थानीय लोगों को रोजगार भी मुहैया हो सकेगा।

लतीफ घोंघी के नाम पर कॉलेज रोड का नामकरण करने नपाध्यक्ष को युवाओं ने सौंपा मांग पत्र

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

कॉलेज रोड का नाम करण साहित्यकार व व्यंग्यकार स्व. लतीफ घोंघी के जन्म जयंती के मौके कॉलेज रोड का नामकरण करने युवाओं ने नगर पालिका अध्यक्ष राशि त्रिभुवन महिलांग को एक मांग पत्र सौंपा है। इस दौरान नपाध्यक्ष महिलांग ने युवक को भरोसा दिलाया है किए बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेकर नामकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राष्ट्रीय राज मार्ग 353 से मिनी स्टेडियम जाने वाली मार्ग का नामकरण स्व. लतीफ घोंघी के नाम पर रखने बुधवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश संयोजक युवा कांग्रेस अरिश अनवरए सागनजोत सिंह, सोहेल खान, रोहित गुरुदत्ता, युवराज साहू, रसप्रीत सिंह, शिवम बेहरा, यश साहू तथा विनायक दास ने नगर पालिका अध्यक्ष,राशि त्रिभुवन महिलांग से मुलाकात की। इस दौरान युवाओं ने नपाध्यक्ष को एक मांग पत्र सौंपा। इस दौरान नपाध्यक्ष महिलांग ने युवाओं को भरोसा जताया किए आगमी बैठक में नामकरण पर चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाएगा। नपाध्यक्ष महिलांग ने बताया किए बहुत से वार्डों के मार्गों का नामकरण किया जाना है। जिसे वार्डों के मार्गों की पहचान से जाना जाएगा। उन्होंने यह भी कहा किए आगामी बैठक में आपका भी आवेदन पत्र पर को शामिल किया जाएगा।

अग्रवाल समाज ने महाराज अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाया, विविध कार्यक्रम के अलावा शोभायात्रा निकाली गई

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

सोमवार को देवभोग अग्रवाल समाज द्वारा महाराज अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाया। स्थानीय गायत्री मंदिर प्रांगण से महाराज अग्रसेन की शोभा यात्रा निकाली गई। अग्रसेन की जयकारे के साथ यह यात्रा पुरी नगर भ्रमण करती रही। शोभायात्रा के दरम्यान ही प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में अतिथि के रूप में पहुंचे थाना प्रभारी बीएल साहू, सुधीर भाई पटेल समेत अन्य सामाजिक वरिष्ठ के अलावा सामाजिक भवन हेतु भूमि दान करने वाले राजेश अग्रवाल का सम्मान किया गया। आयोजन को सफल बनाने अग्रवाल युवा मंच के दिनेश अग्रवाल,शिव अग्रवाल,राकेश अग्रवाल,सुभाष मित्तल,विष्णु अग्रवाल,अनिल अग्रवाल,आशीष अग्रवाल,दिलीप अग्रवाल समेत समस्त युवा अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। विविध आयोजन कर पुरस्कार बांटे-एक दिन पहले ही स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में खेल कूद व सांस्कृतीक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। समाज के महिलाएं बच्चों के साथ ही सभी वर्गों का ध्यान रखकर आयोजन रखा गया था। विविध आयोजनो में वर्षा अग्रवाल,नम्रता जैन,निशु अग्रवाल,बबीता अग्रवाल,सुहाना अग्रवाल,स्वास्तिक गर्ग,हेमा, हंशिका, स्नेहा,प्रिया,पूजा,सोम एवं लीना को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत कर उत्साह वर्धन किया।

संभाग स्तरीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में सुकमा का नर्तक दल रहा प्रथम

गुणडाधुर लोक कला मंच ने प्रस्तुत किया मंडई लोक नृत्य

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जगदलपुर के बस्तर एकेडमी ऑफ डांस आर्ट एण्ड लिटरेचर बादल आसना में 25 सितम्बर को संभाग स्तरीय आदिवासी नृत्य महोत्सव वर्ष 2022 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अन्य जिलों के साथ ही सुकमा जिले से विकासखण्ड किन्दरवाड़ा का गुण्डाधुर लोक कलामंच के द्वारा भाग लेकर मंडई लोक नृत्य की प्रस्तुति की गई। प्रतियोगिता में सुकमा का नर्तक दल संभाग में प्रथम स्थान पर रहा। गुण्डाधुर लोक कला मंच ने इस प्रतियोगिता में विजय हासिल कर रायपुर में 1 नवम्बर से प्रारम्भ होने वाली राज्योत्सव सह राष्ट्रीय आदिवासी 2022 के लिए अवसर प्राप्त किया है। कलेक्टर हरिस एस और आयुक्त आदिवासी विकास सुकमा गणेश शोरी ने चयनित नृतक दल को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। सुकमा जिले से संभाग स्तर में प्रथम स्थान हासिल करना जिले के लिए अत्यन्त ही गौरव की बात है।

मंडई लोक नृत्य धुरुवा जनजाति का लोक नृत्य

उल्लेखनीय है कि बस्तर एवं सुकमा जिले के वनांचल में निवासरत धुरवा जनजाति के लोगों द्वारा मेलाए मण्डई एवं गांव के जात्रा के अवसरों पर ढोल के ताल पर एवं बांसूरी के धुन में मंण्डई लोक नृत्य बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया जाता है। इस नृत्य में बांसूरी की धुन से ही नृत्य की शैली का प्रदर्शन किया जाता है। धुरवा मण्डई लोक नृत्य उत्साह एवं वीरता से परिपूर्ण होने के कारण इसे इस क्षेत्रान्तर्गत सैनिक नृत्य भी कहा जाता है। यह लोक नृत्य मेला मण्डई में क्षेत्र के आस-पास के आमंत्रित देवी देवताओं एवं ग्राम्य देवी देवताओं की परघाव स्वागत करते समय तथा मण्डई मेला का भ्रमण करते समय कासन ढोल के नेतृत्व में देवलाट, छत्तर, सिरहा.गुनिया, पेरमा पुजारी के सम्मुख देवी देवताओं की अगुवाई में की जाती है। नर्तक दल .बन्दीपाटा, बेलूर, साका की वेशभूषा व पारम्परिक अस्त्र टंगिया कुल्हाड़ी, फ रसा, तीर धनुष,कमर में बुरका सुखी लौकी का विशेष पात्र जिसमें पेय पद्वार्थ रखा जाता है। श्रृंगार विशेष तोडी.बजाने का विशेष यंत्रद्ध लेके,घुरवा ढोल व टमक, तुड़बुड़ी व बान्सूरी की धुन में नृत्य किया जाता है। जिसमें कई प्रकार के वादन धुन होते है इन धुनों को ताल बनाकर नृत्य किया जाता है। यह नृत्य विशेषकर मण्डई लोकनृत्य राज्य के सुकमा एवं बस्तर जिले के कुछ विकासखण्ड के मेला मण्डईयों में देखने को मिलता है। जहाँ पर धुरवा जनजाति के लोग निवास करते है। इस नृत्य में आराध्य देवी देवताओं के साथ एक डोली देवी भी होता है। जिन्हें ये मण्डई लोक नृत्य एवं ढोल की ताल तथा बान्सूरी का धुन बहुत ही पसंद किया जाता है।

लगानी जमीन पर जबरीया स्कूल निर्माण और अब तालाब निर्माण की बारी

विरोध करने पर भूमि स्वामी महिला-पुरूष का हुक्का पानी बंद

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम गबौद में एक महिला व पुरुष का हुक्का पानी बंद करने का मामला सामने आया है। महिला ने कई बार कलेक्टर, एसडीएम, थाना व अन्य अधिकारियों को अपनी समस्या बताई है। लेकिन आज तक उनकी समस्या का हल नहीं हुआ। मंगलवार को महिला व पुरुष अपनी समस्या लेकर फि र कलेक्टोरेट पहुंचे। ग्राम गवौद निवासी गनिका बाई निषाद ने बताया कि खेत का गलत सीमांकन किया गया है और गलत सीमांकन होने के बावजूद लगानी जमीन का पत्थर और लकड़ी से घेराव किया है। तब से एसडीएम व कलेक्टर को इसकी जानकारी दे रहे हैं। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर बताया कि 22 जून को पटवारी ने गलत सीमांकन किया है। इससे पूर्व में भी कई बार सीमांकन हुआ है और पूरी खेत लगानी है। पूर्व में डरा धमका कर लगानी जमीन पर स्कूल बनवाया है और अब लगानी जमीन पर तालाब बनाना चाहते हैं।

मां दुर्गा के हर रूप शक्ति और आस्था का प्रतीक-योगेश तिवारी

ग्राम सरदा कुरुद,चोंगीखपरी, पाहन्दा व आनंदगांव खम्हरियां में पंडालों में पहुंचकर किसान नेता योगेश तिवारी ने की माता की विशेष पूजा अर्चना

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेरला ब्लाक के ग्राम चोंगीखपरी, पाहन्दा व आनंदगांव में पंडालों में पहुचकर किसान नेता योगेश तिवारी ने माता की विशेष पूजा अर्चना किया। यहां उन्होंने क्षेत्रवासियों की समृद्धि व खुशहाली की कामना किया । इस अवसर पर किसान नेता ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के नियंत्रण में आने के बाद इस वर्ष दोगुना उत्साह से नवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ पंडालों में विधि विधान से माता की भव्य प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। पर्व में 9 दिनों तक गांव में माहौल भक्तिमय में रहेगा । नवरात्रि का मतलब ही नौ रात होती है। नौ दिन माता रानी के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा के लिए मनाए जाते हैं। मां दुर्गा का हर रूप एक अलग मतलब रखता है और इन नौ के नौ रूप का अर्थ है शक्ति और मजबूती। ऐसा माना जाता है कि महिषासुर ने छल से ब्रह्मा देव से अमर होने का वरदान पा लिया था। इसके बाद वह जब सबको परेशान करने लगा तो सारे देवता उसे हराने में असक्षम हो गए। ब्रह्मा ने उसे वरदान देते समय यह भी कहा था कि यह केवल एक महिला द्वारा ही हराया जायेगा। इसकी शक्ति पर नियंत्रण पाने के लिए ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने मां दुर्गा को मनाया। 15 दिन के युद्ध के बाद मां दुर्गा ने भगवान शिव द्वारा दिए गए हथियार से महिषासुर को मार गिराया। इस दौरान चिंता भरत कौसले बलराम बंजारे कौसले कोसले, राधे यादव,राम साहू, देवराम साहू, बलराम साहू, सुभाष साहू मनोज सिन्हा नरेश राय बलराम राय ज्ञानेश्वर साहुं टोपेन्दर सोनवानी लखन चक्रधारी अशवनी मानिक पुरी आदि उपस्थित थे। ।

पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मंत्री अवधेश सिंह चंदेल के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम हुआ संपन्न

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

भिंभौरी पित्र पर्व के अवसर में ग्राम भिंभौरी में छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार भिंभौरी के दिव्य आत्माओं ;65 कलाकारों, के पुण्य स्मृति में दो दिवसीय पुरखा के सुरता मानस तिहार का आयोजन ग्राम भिभौरी में किया गया। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मंत्री अवधेश सिंह चंदेल के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक चंदेल जी ने कहा ग्राम भिंभौरी की पहचान कला संस्कृति एवं ग्रामीण एकता के कारण बनी हुई है। अपने विभिन्न विधाओं के कारण ग्राम की पहचान है। भिंभौरी की माटी में जन्मे सभी कलाकार जो अनेक विधाओं से परिपूर्ण रहा है और वर्तमान में भी अनेक कलाकारों का योगदान भिंभौरी और आसपास के क्षेत्र को भी इन कलाकारों के माध्यम से सेवा प्रदान किया जा रहा है यहां के कलाकारों के कारण भिंभौरी का नाम सभी क्षेत्रों में बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है यहां की माटी की शक्ति ना सिर्फ कलाकारों की पहचान के लिए है बाकी अन्य विधाओं में अन्य क्षेत्रों में भी माटी की ताकत है पहचान है विनोद कुमार साहू के संयोजन में पुरखा के सुरता कार्यक्रम सफल होने जा रहा हैं पुरखा हमारी ताकत है हमारी धरोहर है जिनके कारण हमारी पहचान बनी है भिंभौरी के 65 कलाकार जो अनेक विधाओं में अपने आप को स्थापित किया। और उन कलाकारों के कारण हमारी एक अलग पहचान भी बने हुए हैं। जिनको हम आज याद करके अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं मैं ईश्वर से कामना करूंगा ऐसे दिव्य आत्माओं को भगवान हमेशा अपने शरण में स्थान दे। और दिव्य आत्माओं के अनेक कार्यों को याद करते हुए हम उनके द्वारा किए गए कार्यों का अनुसरण करें उनके कार्यों को हम याद करें उनके द्वारा दी गई समाज में उल्लेखनीय योगदान को हम हमेशा सहेज कर रखें ताकि आगे चलकर के समाज में लोगों के बीच में निश्चित रूप से वह अनुकरणीय बना रहे। समाज में हमें जो ताकत मिली है पूर्वजों से जो हमको संस्कृति मिली है। जो हमको व्यवहार उनसे प्राप्त हुआ है। समाज में काम करने की जो हमको प्रेरणा मिली है। परिवार में कैसे रहे। व्यवस्था को हम कैसे बनाए रखें हम अपने पूर्वजों से प्राप्त किए सारी ताकत एवं प्रेरणा को संजोकर रखे ताकि हमारा मार्ग प्रशस्त होता रहे। मैं उन कलाकारों दिव्य आत्माओं को भी याद करना चाहूंगा जिनके योगदान के कारण जिनके विभिन्न विधाओं में पारंगत होने के कारण आज भिंभौरी में दो दिवसीय पुरखा के सुरता नाम से हमको कार्यक्रम करने के लिए प्रेरणा मिला। स्वर्गीय कोदूराम वर्मा धनुर्धर के रूप में एक अलग पहचान था। छत्तीसगढ़ एवं पूरे देश में स्वर्गीय कोदूराम वर्मा जी का नाम था। स्वर्गीय कोदूराम जी न सिर्फ धनुर्धर थे अनेक विधाओं में पारंगत भी थे और लोगों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति से छत्तीसगढ़ की परंपरा से जोड़ कर रखना उनका हमेशा लोगों के बीच सुझाव भी होता था। स्वर्गीय रामनारायण परगनिहा सांस्कृतिक कार्यक्रम गंवई के फूल के माध्यम से छत्तीसगढ़ में एक अलग ही पहचान उन्होंने बनाया था।आज हम उनको स्मरण कर रहे हैं। भिंभौरी के माटी में जन्मे कुमारी काजल सेन 14 वर्ष की उम्र में 1,000 से अधिक मंचो पर अपनी प्रतिभा बिखेर चुकी हैं नृत्य के माध्यम से अपने परिवार एवं गांव का नाम रोशन कर रही है। मैं उस बेटी को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं और भविष्य में आगे बढ़ते ऐसी में हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। दो दिवसीय सफल कार्यक्रम के लिए सभी ग्राम वासियों को सभी कलाकार भाइयों को बहनों को और विशेष रूप से विनोद साहू को मैं बहुत.बहुत धन्यवाद देता हूं कि ऐसे कार्यक्रम हमेशा होता रहे ताकि हम अपने पूर्वजों से हम अपने कला से हम अपने विधा से अपनी संस्कृति से हमेशा जुड़े रहे कार्यक्रम को विशेष सहयोग एवं संरक्षण देने वालों में शालिक राम वर्मा प्रेम लाल वर्मा विनोद साहू को विशेष धन्यवाद देता हूं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in